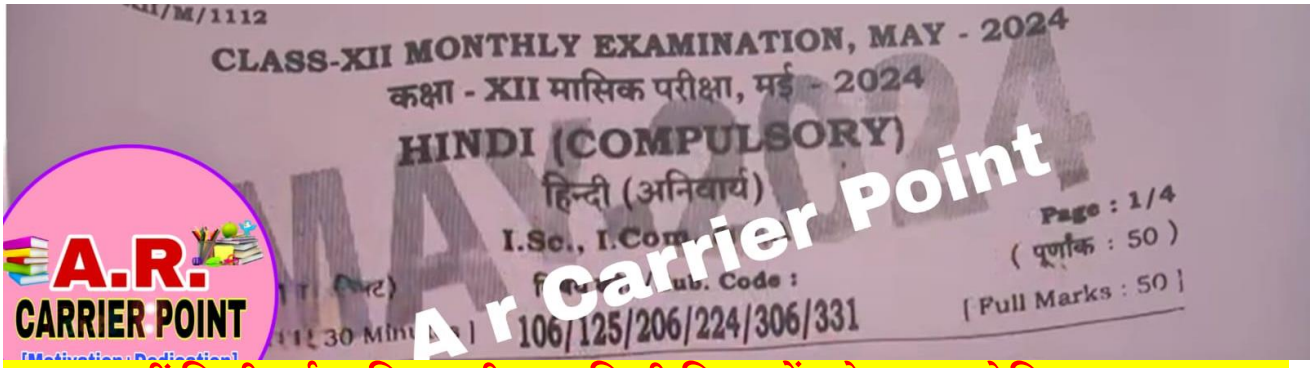

कक्षा 12वीं हिन्दी मई मासिक परीक्षा – हिन्दी विषय में पूछे गए सब्जेक्टिव प्रश्न का उत्तर

खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषयं पर निबंध लिखें :

भूमिका—26 जनवरी, 1950 को हमारा अपना संविधान देश में लागू हुआ और हम गणतंत्र हुए। 26 जनवरी, 1929 ई॰ को काँग्रेस के लाहौर अधिवेशन में रावी नदी के तट पर प॰ जवाहर लाल नेहरू ने तिरंगा झण्डा फहराया और 'पूर्ण स्वराज्य' की माँग की। इसी कारण, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में चुना गया। यों तो हमारा संविधान 26 नवम्बर, 1949 में ही बनकर तैयार हुआ, लेकिन, इसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। तब से हम इसे गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। यह हमारा राष्ट्रीय पर्व है।

राष्ट्रीय पर्व—देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय पर्व के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाता है। जिसकी भव्यता देखते ही बनती है। समूचे देश के विभिन्न भागों से असंख्य व्यक्ति इस समारोह में सम्मिलित होने तथा इसकी शोभा देखने के लिए आते हैं।

यह दिन समूचे भारतवर्ष में बड़े उत्साह तथा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। समूचे देश में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रदेशों की सरकारें सरकारी स्तर पर अपनी-अपनी राजधानियों में तथा जिला स्तर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का तथा अन्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

गणतंत्रता दिवस—गणतंत्र दिवस अर्थात् 26 जनवरी, 1950 भारत का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था।

इस समारोह का विशेष आकर्षण 'गणतन्त्र दिवस परेड'—इस परेड में भारत के राष्ट्रपति जवानों की सलामी लेते हैं। थलथेना, जलसेना और वायुसेना के विशिष्ट जवान इसमें भाग लेते हैं। हमारे पास जो भी विशिष्ट अस्त्र-शस्त्र हैं, उनका प्रदर्शन करके हमारी सैन्य-शक्ति को दर्शाया जाता है। परम्परागत रूप में इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष किसी अन्य राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्ष अथवा किसी महत्त्वपूर्ण हस्ती को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

उपसंहार—अत: हमें सतत् ध्यान रखना चाहिए कि इस पवित्र तिथि का उद्देश्य कभी भी धूमिल न होने पावे और हम अपने गणतंत्र की बागडोर वैसे सच्चे प्रतिनिधि को ही सौंपे जिनसे देश का कल्याण हो।

A r Carrier Point - Sumit Sir
arcarrierpoint.com

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।

(I) कड़बक' शीर्षक कविता के अनुसार किस तरह की लेई से जायसी ने प्रेमकथा को जोड़ा है ?

उत्तर- कविवर जायसी कहते हैं कि कवि मुहम्मद ने अर्थात् मैंने यह काव्य रचकर सुनाया है। इस काव्य को जिसने भी सुना है उसी को प्रेम की पीड़ा का अनुभव हुआ है। मैंने इस कथा को रक्त रूपी लेई के द्वारा जोड़ा है और इसकी गाढ़ी प्रीति को आँसुओं से भिगोया है।

(iv) 'कड़बक' शीर्षक कविता के अनुसार जायसी की इच्छा क्या है ?

उत्तर- कवि ने इच्छा प्रकट की है कि जिस प्रकार फूल के नष्ट हो जाने पर भी उसकी खुशबू नष्ट नहीं होती, उसी प्रकार कवि की मृत्यु के बाद भी लोग उसके यश को याद रखें। यह चूँकि कुरूप है लेकिन अपनी रचनाओं में एक अपार मानवीय सौंदर्य और प्रेम का विधान करता है, अत: कवि चाहता है कि उसकी देह की समाप्ति के बाद भी लोग उसे उसकी इन सुंदरतम कृतियों की वजह से याद रखें।

(vii) संज्ञा की परिभाषा देते हुए उसके भेदों के नाम लिखें ।

उत्तर- किसी जाति, द्रव्य, गुण, भाव, व्यक्ति, स्थान और क्रिया आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे - पशु (जाति), सुन्दरता (गुण), व्यथा (भाव), मोहन (व्यक्ति), दिल्ली (स्थान), मारना (क्रिया)।

यह पाँच प्रकार की होती है --

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा।
2. जातिवाचक संज्ञा।
3. समूहवाचक संज्ञा।
4. द्रव्यवाचक संज्ञा।
5. भाववाचक संज्ञा।

(viii) मिश्र वाक्य' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- वह वाक्य जिसमें एक प्रधान उपवाक्य हो और एक या अधिक आश्रित उपवाक्य हों, मिश्र वाक्य कहलाता है। उदाहरण –जब अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तब पुलिस ने उनको पकड़ लिया ।

3 . अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए ।

उत्तर- सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय,
ए आर कैरियर पॉइंट ,विधालय

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मुझे जरूरी काम से दो दिन तक घर पर रहना पड़ रहा है। इस कारण मैं

AR Carrier Point - Sumit Sir
arcarierpoint.com

स्कूल में आने में असमर्थ हूँ।

अत: दिनांक 28 जुलाई से 29 जुलाई तक दो दिन का अवकाश स्वीकृत करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

सुमित

कक्षा-12 (अ)

4. उपयुक्त शीर्षक देते हुए निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण प्रस्तुत करें :

उत्तर- शीर्षक- चरित्र-निर्माण

चरित्र निर्माण हीं आपको सफल बनाता है और इससे हीं आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना प्रभाव स्थापित कर पाते है।

5. सप्रसंग व्याख्या करें :"बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है ।"

उत्तर- बातचीत के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से अनेक विचार रखे हैं। इनमें बेन जॉनसन और एडिसन के विचारों को लेखक ने यहाँ उद्धृत किया है। बेन जॉनसन के अनुसार बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। वास्तव में, जब तक मनुष्य बोलता नहीं तबतक उसका गुण-दोष प्रकट नहीं होता। दूसरे विद्वान एडिसन के अनुसार असल बातचीत केवल दो व्यक्तियों में हो सकती है। कहने का तात्पर्य है कि जब दो आदमी होते तभी अपना दिल एक-दूसरे के सामने खोलते हैं। तीसरे व्यक्ति की अनुपस्थिति मात्र से ही बातचीत की धारा बदल जाती है। जब चार आदमी हुए तो 'बेतकल्लुफी' का स्थान 'फार्मेलिटी' ले लेती है। अर्थात्. बातचीत सारगर्भित न होकर मात्र रस्म अदायगी भर रह जाती है।

कक्षा 12वीं की तैयारी के लिए अभी जुड़ें – FREE PDF NOTES+ Live Classes

YOUTUBE – A R CARRIER POINT-SUBSCRIBE NOW

TELEGRAM- A R CARRIER POINT-JOIN

WHTSAPP CHANNEL – JOIN

FACEBOOK – JOIN NOW

INSTAGRAM – JOIN NOW

Ar Carrier Point- Sumit Sir
arcarrierpoint.com